अरुणिमा- जनवरी २०२१

प्रोग्रेसिव एज्युकेशन सोसायटी का

मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय

(स्वायत्त), पुणे-४११००५, महाराष्ट्र

हिंदी विभाग

द्वारा प्रकाशित

" अरुणिमा"

(मासिक पत्रिका)

जनवरी : २०२१

प्रकाशक :
प्रा. शामकांत देशमुख,
डॉ. राजेंद्र झुंजारराव
संपादक : डॉ. प्रेरणा उबाळे
सहायक : अनिसा शेख़

1.कविता-नया सवेरा

अर्चना पाल
द्वितीय वर्ष,वाणिज्य

नया सवेरा नए साल का,
भूले बात पुरानी,
नए सिरे से आओ बाचे,
खुशियों भरी कहानी।

न रखेंगे भेदभाव हम,
न ही दिलों में दूरी,
सदा चलेंगे सच्चे पथ पर,
कुछ भी हो मजबूरी ।

नई प्रगति के नए सुरों को,
ले जाएँगे गाँव में
सहलाएँगे उनके मस्तक,
छाले जिनके पाँव में ।

आनेवाले दिन बदलेंगे,
बदलेंगी संपूर्ण धरा,
कोई बड़ा न छोटा होगा,
जीवन हो सम्मान भरा ।

विश्व हिन्दी दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं.Bj

विश्व हिन्दी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार- प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विदेशों में भारत के दूतावास इस दिन को विशेष रूप से मनाते हैं।

हिन्दी हैं हम

अभी विश्व के करीब 130 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और पूरी दुनिया में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते है। चीनी भाषा के बाद यह दूसरी भाषा है जो इतनी बड़ी संख्या में बोली जाती है।

हिंदी है हमारी राष्ट्रभाषा . . .
हिंदी है हमें बड़ी प्यारी. . .
हिंदी की सुरीली वाणी. . .
हमें लगे हर पल प्यारी. . .
विश्व हिंदी दिवस कीशुभकामनाएँ।
-हिंदी विभाग परिवार

2. कविता-यादें

करिश्मा अगरवाल
तृतीय वर्ष, वाणिज्य

आओं फिर एक बार
खोले पुरानी यादों की किताब
जिसे पढ़ने के लिए
हम सब थे कितने बेताब ।

माना धूल लग गई है
इस किताब पर
फिर क्या हुआ?
आज हम फिर हँसेंगे उन्हें याद कर
।

आज हम फिर एक-दूसरे को
इसके-उसके, इनके-उनके नाम से
चिढाएँगे
अगर रूठ जाएँ कोई
तो उसे मनाएँगे और फिर चिढाएँगे ।

इस किताब का हर पन्ना
किसी-न-किसी की याद दिलाएगा
जब आँसू आएँगे किसी आँख में
तब-तब कोई बिछडा हुआ याद
आएगा ।

खत्म हुई अब ये किताब है
लेकिन मन में फिर भी एक बात है
आज हम मिले हैं तो
यही किसी नई किताब की शुरुआत
है ।

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता** प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में** व्यक्ति की गरिमा और **राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित** करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

भारत विविधताओं का देश है। यहां विभिन्न रंग, जाति, समुदाय और धर्मों के लोग सदियों से अपनी विशेषताओं के साथ दूसरों की विशेषताओं का आदर करते हुए रहते आ रहे हैं । भारत का संविधान यहां जन्मे प्रत्येक व्यक्ति को नागरिकता और उससे जुड़े नागरिक अधिकार देता है। आज का दिन उसी संविधान प्रदत्त गणतंत्र का उत्सव है। सभी देशवासियों को अनेकानेक बधाइयां ।

हिंदी विभाग परिवार

3. कविता-दो पल की जिंदगी है

मयूरी पैलवान
हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष, कला

आज बचपन, कल जवानी,
परसो बुढापा, फिर खत्म कहानी है

चलो हँसकर जिए, चलो खुलकर
जिये
फिर ना आनेवाली यह रात सुहानी
फिर ना आनेवाला यह दिन सुहाना

कल जो बीत गया सो बीत गया
क्यों करते हो आनेवाले कल की
चिंता
आज और अभाव जियो, दूसरा पाल
हो ना हो

आओ जिंदगी को गाते चले,
कुछ बातें मन की करते चले
रुठो को मनाते चले

आओ जीवन को कहानी प्यार से
लिखते चले
कुछ बोल मीठे बोलते चले
कुछ रिश्ते नए बनाते चले

क्या लाए थे, क्या ले जायेंगे
आओ कुछ लुटाते चले
आओ सबके साथ चलते चले
जिंदगी का सफर यूंही काटते चले।

*सूर्य संवेदना पुष्पे:, दीप्ति
कारुण्यगंधने।*
*लब्ध्वा शुभम् नववर्षेअस्मिन्
कुर्यात्सर्वस्य मंगलम् ।।*

```जिस तरह सूर्य प्रकाश देता है,
संवेदना करुणा को जन्म देती है,
पुष्प सदैव महकता रहता है, उसी
तरह यह वर्ष 2021 आपके लिए हर
दिन, हर पल के लिए मंगलमय हो।
```

जीवन पथ पर नव वर्ष 2021 मान-
सम्मान, यश, कीर्ति, सुख शांति के
साथ उन्नतिशील वर्ष हो।यह वर्ष
आपके जीवन मे आपार सुख समृद्धि,
संपन्नता लेकर आये ! यह पावन
पर्व आपके जीवन को प्यार मोहब्बत
खुशी उमंग उत्साह सफलता सौहार्द
आदि से भर दे ! इन्हीं मंगल
कामनाओं के साथ,
आंग्ल नववर्ष 2021 की हार्दिक
बधाई व शुभकामनाएं !

- हिंदी विभाग परिवार